



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकरण से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 64] नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 27, 1987/चैत्र 6, 1909
No. 64] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 27, 1987/CHAITRA 6, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 165-आई टी सी (पी एन)/85—88

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1987

विषय :—अप्रैल, 1985—मार्च 1988 के लिये आयात-निर्यात नीति।

क्र.सं. 6/55/85-ई.पी. सी. :—वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना संख्या 1-आई टी सी (पी एन)/85—88, दिनांक 12 अप्रैल, 1985 के अन्तर्गत प्रकाशित अप्रैल, 1985—मार्च 1988 के लिये यथासंशोधित आयात-निर्यात नीति की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

2. नीति में निम्नलिखित संशोधन नीचे निर्दिष्ट उपयुक्त स्थानों पर तत्काल से किये जायेंगे :—

क्रम	आयात-निर्यात नीति	संदर्भ	संशोधन
सं.	1985—88		
	(खण्ड-I) की पृष्ठ संख्या		
1	2	3	4
1. 72-73 (72)	अध्याय—15 पंजीकृत विनिर्माता निर्यातकों के लिये आयात-निर्यात पास बुक स्कीम		इस अध्याय का शीर्षक “आयात-निर्यात पास बुक स्कीम” के रूप में संशोधित किया जायेगा।

1	2	3	4
2.	72-73 (72)	अध्याय-15 पैरा 228(1)	<p>“228(1)” निर्माता-निर्यातकों तथा निर्यात/व्यापार सदनों को निर्यात उत्पादन के लिये शुल्क मुक्त आयातित माल सुगमता से उपलब्ध कराने के लिये आयात-निर्यात पास बुक नाम की एक नई स्कीम प्रारम्भ की जा रही है। इस स्कीम में प्रक्रियात्मक बिलम्ब को दूर करते हुए उत्पादन का निर्यात करने के लिये प्रणालियों को सरल किया गया है। यह स्कीम जो कि अपने व्यापक क्षेत्र में, शुल्क छूट स्कीम से अधिक विस्तृत है, नियमित पंजीकृत विनिर्माता निर्यातकों तथा निर्यात/व्यापार सदनों को उनके उत्पादन/निर्यात समय-अनुसूची के अनुकूल उनकी आयातित कच्चे माल, संघटकों, उप-भोग्यों, किंग सामग्रियों और अतिरिक्त पुर्जों की आवश्यकताओं को शुल्क मुक्त प्राप्त करने में मदद करेगी। पास विनिर्माता निर्यातक उपभोग्य और अतिरिक्त पुर्जे भी लाइसेंस के सारे मूल्य के भीतर कर मुक्त आयात करने के हकदार होंगे। इस स्कीम के अधीन जारी की गई पास बुक में कर मुक्त आयात लाइसेंस समाविष्ट है। समझे जाने वाले (डीम्ड) निर्यात के लिये जारी की गई पास बुक विशेष अग्रदाय आयात निर्यात पास बुक के रूप में परिभाषित होगी और इसी प्रकार कर मुक्त लाइसेंस को समाविष्ट करेगी। लेकिन ऐसी पास बुक में केवल कच्चा माल और संघटक का आयात शामिल होगा। इस स्कीम के अधीन जारी की गई आयात निर्यात पास बुक और विशेष अग्रदाय आयात निर्यात पास बुक के तहत शुल्क छूट इस नीति के क्रमशः परिशिष्ट 25 के उपबन्ध-2 तथा परिशिष्ट-19 के उपबन्ध-3 में पुनः दिये गये प्रावधान के अनुसार राजस्व विभाग की अधिसूचना द्वारा संचालित किय जायेंगे। पास बुक का एक नमूना प्रक्रिया पुस्तक के परिशिष्ट-15-क में दिया गया है।</p>
3.	72-73 (72)	अध्याय--15 पैरा 229(1)	<p>इस उप पैरे के पहले वाक्य को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा :—</p> <p>“यह स्कीम उन विनिर्माता निर्यातकों के लिये लागू होगी जो कम से कम 3 वर्षों की अवधि से नियमित रूप से निर्यात कर रहे हैं और ऐसे निर्यात/व्यापार सदन जो आयात लाइसेंस जारी करने के लिये अन्वया रूप से पात्र हैं।”</p>
4.	72 (72)	अध्याय--15 पैरा 229(2)	<p>इस उप पैरे का अंतिम वाक्य निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा :—</p> <p>“पास बुक प्राप्त होने के बाद ऐसे सभी पंजीकृत विनिर्माता निर्यातक सीधे या निर्यात/व्यापार सदन से माध्यम से परिणामी उत्पादों का निर्यात करने के लिये पात्र होंगे।”</p>
5.	72(72)	पैरा 229(3)	<p>वर्तमान उप-पैरा निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा :—</p>

1

2

3

4

“(3) ऐसे मामलों में जहाँ विनिर्माता निर्यातक निर्यात/व्यापार सदनों के माध्यम से भाल का निर्यात करने के इच्छुक हैं तो उन्हें ऐसे निर्यात/व्यापार सदनों नामों को, जिन के माध्यम से निर्यात किया जायेगा, को निर्दिष्ट करना अपेक्षित होगा। इन नामों को लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पास बुक में पृष्ठंकित किया जायेगा। ऐसे मामलों में पास बुक का जारी करना निम्नलिखित शर्तों द्वारा नियन्त्रित किया जायेगा :—

- (1) निर्यात से संबंधित सभी दस्तावेजों में सम्बन्धित पंजीकृत विनिर्माता निर्यातक और निर्यात/व्यापार सदन दोनों का नाम दिया जाना चाहिये।
- (2) जहाँ तक पंजीकृत विनिर्माता निर्यातक का संबंध है, पास बुक के मद्दे इस तरह के किये गये निर्यात को निम्नलिखित हिसाब में लिया जायेगा —
 - (क) पास बुक में निर्धारित निर्यात आभार को पूरा करना;
 - (ख) यदि अनुमेय हो तो प्रतिपूर्ति लाभ और
 - (ग) इन निर्यातों के आभार पर आगे पास बुक जारी करना।
- (3) जहाँ तक निर्यात सदनों/व्यापार सदनों का संबंध है, निर्यात/व्यापार सदनों के रूप में (स्टेट्स) उनकी स्थिति की मान्यता और नवीकरण के लिये निर्यात निष्पादन के लिये ही ऊपर उल्लिखित निर्यातों को उनका निर्यात समझा जायेगा। लेकिन, नई पास-बुक जारी करने की हकदारी के लिये इन निर्यातों को नहीं गिना जायेगा।

उप-पैरा 229(3) के पश्चात् निम्नलिखित नये उप-पैरे जोड़े जायेंगे :—

“(4) नीति के परिशिष्ट 25 की विशिष्ट क्रम संख्या या उप-क्रम संख्या के अधीन आने वाले उत्पाद के मद्दे कर छूट स्कीम या अग्रदाय लाइसेंसिंग स्कीम के अन्तर्गत जिन पात्र-निर्यातकों को लाइसेंस जारी किये गये हैं उन्हें पास-बुक जारी करने के उनके आवेदन-पत्रों पर निम्न प्रकार से विचार किया जायेगा :—

- (1) यदि निर्यातक ने ऐसे लाइसेंसों के मद्दे पूर्ण किये जाने वाले कुल निर्यात आभार का 75 प्रतिशत या अधिक पूर्ण कर लिया हो तो सामान्य हकदारी के अनुसार पास बुक जारी की जा सकती है। इस उद्देश्य के लिये आवेदक को लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा यथा अपेक्षित दस्तावेज भेजने होंगे :—
- (2) यदि निर्यातक में उसी उत्पाद के लिये पहले से जारी किये गये लाइसेंस के मद्दे कुल निर्यात आभार के 75 प्रतिशत से कम पूर्ण कर

1	2	3	4
			<p>लिया हो तो भी पास-बुक जारी करने अनुरोध पर विचार किया जा सकता है। तथापि, ऐसे मामलों में हकदारी की गणना, ऐसे लाइसेंस (सी) के मद्देनियमित आभार के अपूर्ण भाग के अनुपातिक लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य को पास-बुक के लिये सामान्य हकदारी में से घटाते हुए की जायगी। बाद में, जब और जैसे ही पूर्व के लाइसेंस (सी) के मद्देनियमित आभार पूर्ण कर लिय जाते हैं और बांड डिस्चार्ज किय जाते हैं, और बांड मुक्त कर दिया जाता है, उसके बाद ही सम्बद्ध लाइसेंसिंग प्राधिकारी इस आभार पर कम की गई हकदारी की राशि की वापसी के अनुरोध पर विचार कर सकते हैं।</p>
7. 72--73(72)	अध्याय--15 पैरा 230(2)		<p>इस पैरे के अन्त में निम्नलिखित नया पैरा जोड़ा जायेगा:--</p> <p>“(2क) जहां भी पास निर्यातक, नीति के परिशिष्ट-25 के कानम-3 में यथा विनिर्दिष्ट मूल्य मानकों को अपने निर्यात उत्पाद के लिये अनुपयुक्त पाता है तो उसे निम्नलिखित छूट होंगी:--</p> <p>(1) परिशिष्ट-19 के अनुबंध-5 में निर्धारित मानकों की शर्तों के अनुरूप पास-बुक जारी करवाने के लिये, यदि उसके द्वारा अपेक्षित सभी मद्देन इन मानकों के अधीन आती हों, या (2) मुख्यालय की अग्रिम लाइसेंस समिति द्वारा उसी निर्यात उत्पाद के लिये उनके मामले में पहले से तय शर्तों और मानकों के अनुसार पास-बुक प्राप्त करना।</p> <p>(3) मुख्यालय की अग्रिम लाइसेंस समिति द्वारा उसके निर्यात उत्पाद के लिये विशेष रूप से मानक तय करवाना। ऐसे सभी मामलों में पास-बुक, मात्रा और मूल्य की शर्तों के आधार पर जारी की जायेगी तथा आयात और निर्यात दोनों के लिये ये सीमित तथ्यों (लिमिटिंग फैक्टर्स) पर होंगे। यदि किसी मामले में ऊपर (3) में उल्लिखित विकल्प पर विनिर्दिष्ट मानकों के आधार पर पास-बुक जारी की जाती है तो उसी आवेदक से उसी उत्पाद के लिये पास-बुक जारी करने के बाद के अनुरोध पर, मुख्यालय की अग्रिम लाइसेंस समिति के भेजे बिना इन मानकों के आधार पर लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा विचार किया जा सकता है।</p> <p>“(2ख) पात्र विनिर्माता निर्यातक को सम्बद्ध उत्पाद के लिये पास-बुक प्राप्त करने के लिये अपनी आयात हकदारी का उपयोग करने की अनुमति दी जायेगी। सम्बद्ध उत्पाद की परिभाषा इस प्रकार की जायेगी कि वह उत्पाद जो विद्यमान अब संरचनात्मक</p>

1	2	3	4
			<p>ढाँचे और उत्पादन सुविधाओं से विनिर्मित किया गया हो लेकिन प्रत्येक निर्यात उत्पाद के लिये अलग पास-बुक जारी की जायेगी।”</p>
8.	72--73(73)	अध्याय--15 पैरा 230(3)	<p>इस उप-पैरा के प्रथम दो वाक्यों को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा:—</p> <p>“अन्तिम उत्पाद और रैकिंग सामग्री और अनिवार्य अतिरिक्त पुर्जों के विनिर्माण के लिये अपेक्षित कच्चे माल, संघटक और उपभोज्य के आयात उपर्युक्त पैरा 228(1) के अनुसार इस स्कीम के अधीन अनुमेष होगा। लाइसेंस के कुल मूल्य के अधिकतम 10 प्रतिशत तक उपभोज्य के आयात की अनुमति केवल पात्र विनिर्माता निर्यातकों को दी जायेगी। अनिवार्य अतिरिक्त पुर्जों के आयात की अनुमति केवल पंजीकृत विनिर्माता निर्यातकों को और लाइसेंस के कुल मूल्य के अधिकतम 5 प्रतिशत तक की दी जायेगी।”</p>
9.	72--73(73)	अध्याय--15 पैरा 231(2)	<p>प्रथम वाक्य को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा:—</p> <p>“पास-बुक धारकों को आवेदन-पत्र के साथ एक बचनबद्धता देने की होगी कि इस स्कीम के अधीन आयातित माल का उपयोग या तो उनकी अपनी फ़ैक्टरी (रियों) में किया जायेगा या जिस निर्यात उत्पाद के विनिर्माण के लिये पास-बुक जारी की गई है उसके घोषित समर्थक विनिर्माताओं की फ़ैक्टरी (रियों) में उपयोग किया जायेगा।”</p>
10.	72--73(73)	अध्याय--15 पैरा 232	<p>इस पैरे के प्रथम वाक्य को निम्न द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा:—</p> <p>“इस स्कीम के अन्तर्गत पास-बुक लाइसेंस एक पंजीकरण के पत्तन के साथ जारी की जायेगी तथा इस पत्तन के द्वारा आयात व निर्यात के अन्तर्गत आने वाली मर्दों के लिये ही वैध होगा। यदि पंजीकृत पत्तन के अतिरिक्त किसी अन्य पत्तन से कोई आयात किये जाते हैं तो लाइसेंस धारी सीमाशुल्क प्राधिकारियों से सम्पर्क करेगा तथा वह अन्य शर्तों के साथ जो ठीक समझें इसकी ऐसी अनुमति दे सकता है।”</p>
11.	72--73(74)	अध्याय--15 पैरा 233(3)	<p>इस उप-पैरा को निम्न द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा:—</p> <p>“शुल्क मुक्त लाइसेंस के मद्दे जहाँ आयात की जाने वाली मर्दे (सारणीबद्ध एवं गैर-सारणीबद्ध दोनों) या तो सारणीबद्ध एजेंसी या राज्य व्यापार निगम, भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम या किसी अन्य मनोनीत एजेंसी के पास आपूर्ति के लिए उपलब्ध है, वहाँ पास-बुक लाइसेंस धारकों को इन मर्दों के या तो सीधे ही या इस नीति पुस्तक के परिशिष्ट 19 के पैरा 18 में दी गई प्रक्रिया के अनुसार इन एजेंसियों के बंधित भण्डार (बांडिड स्टॉक) से सीधे ही आयात की खुली अनुमति होगी।”</p>

1	2	3	4
12.	72-73 (74)	अध्याय-15 पैरा 234 (2)	<p>इस उप पैरे के बाद निम्न उप-पैरा जोड़ा जाएगा :—</p> <p>“(3) इस स्कीम के अन्तर्गत आवेदन प्राप्ति की तिथि से किए गए निर्यातों/प्राप्तियों को संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा निर्यात आभार पूरा करने के लिए गिना जाएगा। तथापि, आवेदक निर्यातक अपने स्वयं के जोखिम पर इस सुविधा का लाभ उठाएंगे तथा बाद में यदि पास-बुक लाइसेंस के लिए उसका आवेदन अस्वीकृत हो जाता है तो वह न तो मर्दों के आयात करने का हकदार और न ही इस स्कीम के अधीन शुल्क छूट सुविधाओं का वावेंदार होगा।”</p>
13.	72-73 (75)	अध्याय-15 पैरा-240	<p>उप-पैरा (1) के अंत में निम्नलिखित वाक्य जोड़ा जाएगा:—</p> <p>“उसी प्रकार इन मर्दों के लिए भी व्यापार सदनो से बैंक गारन्टी के साथ बाण्ड के बदले विधिक करार सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत किए जाएं।”</p> <p>(2) वर्तमान उप-पैरा (2) के उप-पैरा (3) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा।</p> <p>(3) निम्नलिखित को उप-पैरा (2) के रूप में जोड़ा जाएगा :—</p> <p>“(2) बैंक गारन्टी के साथ एक संयुक्त बाण्ड अथवा एक विधिक करार, जैसा भी मामला हो, निम्नलिखित मामलों में निष्पादित करना अपेक्षित होगा :—</p> <p>(क) जहां पर विनिर्माता-निर्यातक निर्यात/व्यापार सदनो के माध्यम से निर्यात कर रहा हो,</p> <p>(ख) जहां पर पास-बुक निर्यात/व्यापार सदन द्वारा ले ली गई है और विमुक्त माल समर्थित विनिर्माता द्वारा विनिर्माण के लिए उपयोग में लाया जा रहा है। लेकिन, इस नोति के परिशिष्ट 13 के पैरा-6 में विनिर्दिष्ट मन्त्र के निर्यात के मामले में इस प्रकार के संयुक्त बाण्ड/विधिक करार प्रस्तुत करने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा।”</p>
14.	72-73 (75)	अध्याय-15 पैरा 241	<p>वर्तमान पैरे के निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—</p> <p>“इस स्कीम के अधीन जारी किए गए लाइसेंस पर प्राधिकार-पत्र जारी करने की सुविधा निर्यात/व्यापार सदनो को उपलब्ध होगी। आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक 1985-88 के पैरा 118 और 119 में दिये गए प्रावधानों के बावजूद भी, यह सुविधा उन समर्थित विनिर्माताओं के लिए प्रतिबंधित होगी जिनके नाम जारी की गई पास-बुक में दिए हुए हैं। इस स्कीम के अधीन जारी किए गए लाइसेंस के मद्दे</p>

1	2	3	4
			लाइसेंसधारी अथवा समर्थित विनिर्माताओं से भिन्न जिनके नाम पास-बुक में दिए हुए हैं, व्यक्ति द्वारा साख-पत्र खोलने की अनुमति नहीं दी जाएगी।”
15.	72-73 (75)	अध्याय-15 पैरा 241-क	<p>(1) “अनुवर्ती दायित्व कार्यवाही” शीर्षक के अधीन वर्तमान पैरे 241-क को 241-ख के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा।</p> <p>(2) वर्तमान पैरे 241 के बाद निम्नलिखित नए पैरे को जोड़ा जाएगा :—</p> <p>“विमुक्त माल का समुपयोजन”</p> <p>241-क (1)—इस स्कीम के अधीन एक लाइसेंस के मद्दे आयातित विमुक्त माल पास-बुक में विनिर्दिष्ट परिणामी उत्पाद के विनिर्माण के लिए उपयोग में लाया जाएगा बशर्ते कि जहाँ पर यह प्रतिपूर्ति के माध्यम से है। ऐसे माल का किसी भी स्थिति में, न तो उधार, बेचा, हस्तांतरण अथवा अन्यत्र रूप में निपटान किया जाएगा। उन मामलों में, जहाँ पर लाइसेंस के मद्दे आयात करने से पूर्व डिलीवरी अनुसूची को पूरा करने के लिए निर्यात आभार आंशिक अथवा पूर्ण रूप से पूरा किया गया है, विनिर्माता निर्यातक आगे निर्यात/घरेलू उत्पादन के लिए प्रतिपूर्ति माल का उपयोग कर सकता है जो कि वास्तविक उपयोगिता शर्तों के अधीन होगा। इसी प्रकार, लाइसेंसिंग प्राधिकारी व्यापारी निर्यात सदन/व्यापार सदस्यों के प्रतिपूर्ति माल को पत्तन पहुँचाने की लागत पर सम्बन्धित समर्थित विनिर्माता को जिसका नाम पास-बुक में दिया गया हो, वास्तविक उपयोगिता शर्त के अधीन आगे निर्यात/घरेलू उत्पादन के लिए ट्रांसफर के अनुरोध पर विचार कर सकता है।</p> <p>(2) आयात निर्यात पास-बुक के अधीन प्रथम आयात से पहले निर्यातित अन्तिम उत्पाद के विनिर्माण में उपयोग किए गए माल की सीमा तक केवल प्रतिपूर्ति की अनुमति दी जाएगी।</p>
16.	72-73 (75)	अध्याय-15 पैरा 241-ख	पुनः संख्यांकित पैरे में दिखाए गए अंक “30” को हटा दिया जाएगा।
17.	72-73 (72-74)	अध्याय-15 पैरे 229 (3), 231 (1), (3) और (4) एवं 236	इन पैराग्राफ्स में दिए गए “पंजीकृत विनिर्माता निर्यातक” के शब्द “विनिर्माता-निर्यातक” को “पात्र निर्यातक” शब्दों द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।
18.	359 (381)	परिशिष्ट 25 क इंजीनियरी माल क्रम सं. 4 (क) तथा 4 (ख)	इन क्रम संख्याओं के सामने कालम 4 में आंकड़ों को 80 प्रतिशत द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

1	2	3	4												
19.	359 (381)	परिशिष्ट 25 क. इंजीनियरी माल क्रम सं. 4 (जे)	इस क्रम संख्या के अंत में सम्बन्धित कालमों में विवरण के साथ निम्नलिखित नई प्रविष्टि जोड़ी जाएगी।												
			<table> <tr> <th>1</th><th>2</th><th>3</th><th>4</th></tr> <tr> <td>4.</td><td>(1)</td><td>नाइलोन इन्सर्ट (नाइलोन) सेल्फ लाकिंग 300/ नट्स स्टील लाक नट्स और व्हील नट्स क.7(11)</td><td></td></tr> </table>	1	2	3	4	4.	(1)	नाइलोन इन्सर्ट (नाइलोन) सेल्फ लाकिंग 300/ नट्स स्टील लाक नट्स और व्हील नट्स क.7(11)					
1	2	3	4												
4.	(1)	नाइलोन इन्सर्ट (नाइलोन) सेल्फ लाकिंग 300/ नट्स स्टील लाक नट्स और व्हील नट्स क.7(11)													
20.	359 (389)	परिशिष्ट 25 चमड़ा तथा चमड़े का माल एवं अन्य पशु उत्पाद क्रम सं. 2 (1) (क)	इस क्रम संख्या के सामने कालम चार में दिए गए आंकड़ों का "30 प्रतिशत" के द्वारा प्रत्यास्थापित किया जाएगा।												
21.	359 (389)	परिशिष्ट 25 ड. खेल सामान क्रम सं. 1	संबन्धित कालमों में विवरण के साथ इस प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित नई प्रविष्टि जोड़ी जाएगी:—												
			<table> <tr> <th>1</th><th>2</th><th>3</th><th>4</th></tr> <tr> <td>2.</td><td>टेनिस गेंद</td><td>डू 1</td><td>40 प्रतिशत</td></tr> </table>	1	2	3	4	2.	टेनिस गेंद	डू 1	40 प्रतिशत				
1	2	3	4												
2.	टेनिस गेंद	डू 1	40 प्रतिशत												
22.	359 (391)	परिशिष्ट-25 ट-2 गर्म कपड़े क्रम सं. 4	वर्तमान प्रविष्टि को इसके विवरण सहित निम्न प्रकार से संशोधित किया जाएगा :—												
			<table> <tr> <th>1</th><th>2</th><th>3</th><th>4</th></tr> <tr> <td>4(1)</td><td>भार में 50 प्रतिशत से अधिक ऊन के तत्व वाले शैली, ऊनी कम्बल के कपड़े</td><td>ट. 4</td><td>40 प्रतिशत (जहाज पर निः शुल्क मूल्य के 6 प्रतिशत तक की सिथेटिक हाई-बेस्ट)</td></tr> <tr> <td>(2)</td><td>कम्बल के कपड़े के बने स्कार्फ/स्टोल्स टवीड, ब्लेजर और बैलर्स जिममें भार में ऊन की मात्रा 50 प्रतिशत से अधिक हो।</td><td>ट. 4</td><td>30 प्रतिशत</td></tr> </table>	1	2	3	4	4(1)	भार में 50 प्रतिशत से अधिक ऊन के तत्व वाले शैली, ऊनी कम्बल के कपड़े	ट. 4	40 प्रतिशत (जहाज पर निः शुल्क मूल्य के 6 प्रतिशत तक की सिथेटिक हाई-बेस्ट)	(2)	कम्बल के कपड़े के बने स्कार्फ/स्टोल्स टवीड, ब्लेजर और बैलर्स जिममें भार में ऊन की मात्रा 50 प्रतिशत से अधिक हो।	ट. 4	30 प्रतिशत
1	2	3	4												
4(1)	भार में 50 प्रतिशत से अधिक ऊन के तत्व वाले शैली, ऊनी कम्बल के कपड़े	ट. 4	40 प्रतिशत (जहाज पर निः शुल्क मूल्य के 6 प्रतिशत तक की सिथेटिक हाई-बेस्ट)												
(2)	कम्बल के कपड़े के बने स्कार्फ/स्टोल्स टवीड, ब्लेजर और बैलर्स जिममें भार में ऊन की मात्रा 50 प्रतिशत से अधिक हो।	ट. 4	30 प्रतिशत												
23.	359	परिशिष्ट-25 ट-वस्त्र गैर सैल्यूलोसिक वस्त्र क्रम सं. 11 (3)	इस क्रम सं. के सामने कालम-4 में दिए गए अंक निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किए जाएंगे :— "25 प्रतिशत (जहाज पर निः शुल्क मूल्य के 6 प्रतिशत तक जिप)"												
24.	359 (393)	परिशिष्ट-25 न-सिली पोशाकें हौजरी एवं सिलाई से बने हुए वस्त्र क्रम सं. 2, 3 एवं 5	इस क्र. सं. के सामने कालम-4 में दिए गए अंक निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किए जाएंगे :— "55 प्रतिशत (जहाज पर निःशुल्क मूल्य के 6% तक जिप)"												

1	2	3	4
25.	359 (393)	परिशिष्ट-25 न-सिली पोशाकें, हौजरी एवं सिलाई से बने हुए वस्त्र क्र. सं. 4 (1)	इस क्र. सं. के सामने कालम-4 में दिए गए निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किए जाएंगे :— “50 प्रतिशत (जहाज पर निःशुल्क मूल्य के 6 प्रतिशत तक जिप)”
26.	359 (393)	परिशिष्ट-25 न-सिली पोशाकें हौजरी एवं सिलाई से बने हुए वस्त्र क्र. सं. 4 (2)	इस क्र. सं. के सामने कालम-4 में दिए गए अंक निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किए जाएंगे :— “40 प्रतिशत (जहाज पर निःशुल्क मूल्य के 6 प्रतिशत तक जिप)”
27.	359 (393)	परिशिष्ट-25 न-सिली पोशाकें हौजरी एवं सिलाई से बने हुए वस्त्र क्र. सं. 4 (2)	इस क्र. सं. के सामने कालम-4 में दिए गए अंक निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किए जाएंगे :— “40 प्रतिशत (जहाज के निःशुल्क मूल्य के 6 प्रतिशत तक जिप)”
28.	359 (393)	परिशिष्ट-25 न-सिली पोशाकें हौजरी एवं सिलाई से बने हुए वस्त्र क्र. सं. 6	इस क्र. सं. के सामने कालम-4 में दिए गए अंक निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किए जाएंगे :— “40 प्रतिशत (जहाज पर निःशुल्क मूल्य के 6 प्रतिशत तक जिप)”
29.	359 (393)	परिशिष्ट-25 न-सिली पोशाकें हौजरी एवं सिलाई से बने हुए वस्त्र क्र. सं. 7 (1), 7 (2) और 7 (3)	इस क्र. सं. के सामने कालम-4 में दिए गए अंक निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किए जाएंगे :— “65 प्रतिशत (जहाज पर निःशुल्क मूल्य के 6 प्रतिशत तक जिप)”
30.	359 (393)	परिशिष्ट-25 सिली सिलाई 6 पोशाकें, हौजरी और सिलाई से बने हुए वस्त्र	इस क्रम सं. के बाद संबंधित कालमों में निम्नलिखित विवरण सहित एक नई प्रविष्टि जोड़ी जाएगी :—

1	2	3	4
9 औद्योगिक एवं संस्थानों की सिली सिलाई पोशाकें	0.9	60 प्रतिशत	

31.	272 (290)	परिशिष्ट-17 ट-वस्त्र 50 गैर मिललुसिक वस्त्र क्रम सं. ट-11 काशीदाकारी बाले तथा यार्न सहित फ्रेञ्चिक एवं बनी हुई वस्तुएं	(1) इस क्रम सं. के अधीन प्रविष्टि (1) के विवरण का निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :— “एसीटेट स्टेपल फाइबर/स्पन यार्न” (2) इस क्रम सं. के अधीन प्रविष्टि (2) का विवरण निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :— “गैर-मिललुसिक स्टेपल फाइबर/स्पन यार्न बने हुए अन्य”
32.	298	परिशिष्ट-17 सिली सिलाई पोशाकें, हौजरी तथा सिलाई से बने हुए वस्त्र क्रम सं. 8	इस क्रम सं. के बाद संबंधित कालमों में निम्न विवरण सहित एक नई प्रविष्टि जोड़ी जाएगी :—

1	2	3	4
ण 9. औद्योगिक एवं संस्थानों की सिली सिलाई पोशाकें	60 प्रतिशत	(क) क्रम सं. ण-1 के अनुसार अनुमित (क) से (ग) की मदें	

1	2	3	4																
33	359 (393)	परिशिष्ट-25 मिले मिलाए कपड़े, होजरी तथा मिलार्ड से बुने हुए क्रम सं. 8	इस क्रम सं. के बाद संबंधित कालमों में निम्न विवरण के साथ एक नई प्रविष्टि जोड़ी जाएगी :—																
			<table> <tr> <th>1</th><th>2</th><th>3</th><th>4</th></tr> <tr> <td colspan="4">ध. स्टेनलैस स्टील उत्पाद</td></tr> <tr> <td>1. भार में 80 प्रतिशत से अधिक स्टेनलैस स्टील के तत्व वाले स्टेनलैस स्टील उत्पाद</td><td>ध. 1</td><td>50 प्रतिशत</td><td></td></tr> <tr> <td>2. सभी प्रकार की स्टेनलैस स्टील कास्टिंग</td><td>ध. 2</td><td>20 प्रतिशत</td><td></td></tr> </table>	1	2	3	4	ध. स्टेनलैस स्टील उत्पाद				1. भार में 80 प्रतिशत से अधिक स्टेनलैस स्टील के तत्व वाले स्टेनलैस स्टील उत्पाद	ध. 1	50 प्रतिशत		2. सभी प्रकार की स्टेनलैस स्टील कास्टिंग	ध. 2	20 प्रतिशत	
1	2	3	4																
ध. स्टेनलैस स्टील उत्पाद																			
1. भार में 80 प्रतिशत से अधिक स्टेनलैस स्टील के तत्व वाले स्टेनलैस स्टील उत्पाद	ध. 1	50 प्रतिशत																	
2. सभी प्रकार की स्टेनलैस स्टील कास्टिंग	ध. 2	20 प्रतिशत																	
34.	359 (394)	परिशिष्ट-25 के अनुबंध 1 क्रम सं. 9	इस प्रविष्टि का विवरण निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। "9 स्टेनलैस स्टील शीट्स।"																
35.	359 (395-396)	परिशिष्ट-25 के अनुबंध-2	इस अनुबंध में उद्धृत कस्टम अधिसूचना को इस सार्वजनिक सूचना के अनुबंध में भीमाशुल्क अधिसूचना द्वारा पुनः उद्धृत किया जाएगा।																

3. उपर्युक्त संशोधन लोकहित में किए गए हैं।

4. कालम (2) के कोष्ठकों में दी गई संख्या 31 अक्टूबर, 1986 तक यथासंशोधित आयात-निर्यात नीति पुस्तक की पृष्ठ संख्या है।

हस्ताक्षरित

राजीव लोचन मिश्र, मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात मजुला मुआहमणियम, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 165—ITC (PN)/85—88

New Delhi, the 27th March, 1987

Subject:—Import and Export Policy for April 1985—March 1988

F. No. 6/55/85—EPC:— Attention is invited to the Import & Export Policy for April 1985—March 1988, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. I—ITC (PN)/85—88 dated the 12th April, 1985 as amended.

2. The following amendments are hereby made in the Policy at appropriate places with immediate effect

as indicated below:—

Sl. No.	Page No. of Import and Export Policy, 1985—88 (Volume I)	Reference	Amendment
1	2	3	4
1.	72—73 (72)	Chapter XV IMPORT EXPORT PASS BOOK SCHEME FOR REGISTERED-- MANUFACTURER-- EXPORTERS	The Heading of the Chapter shall be amended to read as "IMPORT-EXPORT PASS BOOK SCHEME"
2.	72—73 (72)	Chapter XV Para 228(1)	This sub-Para shall be substituted by the following:-- "228(1). A new scheme, known as the Import-Export Pass Book Scheme, is being introduced for manufacturer-exporters and Export/Trading Houses to provide duty free access to imported inputs for export production. This scheme is designed to simplify systems for export production by eliminating procedural delays. This scheme which is broader in its coverage than the Duty Exemption Scheme will help the regular registered manufacturer-exporters and Export/Trading Houses to obtain their requirements of imported raw materials, components and packing materials duty free to suit their production/export time schedule. Eligible manufacturer-exporters will also be entitled to import consumables and spares duty free within the overall of the licence. A Pass Book is issued under this scheme incorporates a duty free import licence. Pass Book which is issued for deemed exports will be termed as Special imprest Import-Export Pass Book and shall similarly incorporate a duty free licence. Such a Pass Book will however, cover only imports of raw materials and components. The duty exemption under the Import-Export Pass Book and the special Imprest Import-Export Pass Book issued under this scheme will be governed by the Deptt. of Revenue notifications as reproduced in Annexure II to Appendix 25 and Annexure III to Appendix 19 respectively, of this policy. A specimen of the Pass Book is given in Appendix XV-A of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1985-88".
3.	72—73 (72)	Chapter XV Para 229(1)	The first sentence of this sub-para shall be substituted by the following:-- "This scheme will be applicable to registered manufacturer-exporters who have been regularly exporting for a minimum period of 3 years and Export/Trading Houses who are otherwise eligible for issue of import licences".

1	2	3	4
4. 72—73 (72)	Chapter XV Para 229(2)	The last sentence of this sub-para shall be substituted by the following:— “All such registered manufacturer-exporters, will be eligible to export the end products either directly or through Export/Trading Houses”.	
5. 72—73 (72)	Para 229(3)	<p>The existing sub-para shall be substituted by the following:—</p> <p>“(3) In cases where the manufacturer-exporters wish to export the goods through Export/Trading Houses, they would be required to indicate in advance of the exports the names of such Export/Trading Houses through whom the exports would be made.</p> <p>These names will be endorsed in the Pass-Book by the licensing authorities concerned. In such cases, the issue of the Pass-Book would be governed by the following conditions:—</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) All the documents relating to export should show the names of both the registered manufacturer-exporter and the Export/Trading House concerned. (ii) So far as the registered manufacturer-exporter is concerned, the exports so made against the Pass-Book shall be taken into account for <ul style="list-style-type: none"> (a) the discharge of the export obligation stipulated in the Pass Book; (b) replenishment benefits, if admissible; and (c) for the issue of further Pass-Books on the basis of these exports. (iii) So far as the export House/Trading House is concerned, the exports mentioned above, will be treated as their exports only for the purpose of export performance for recognition and renewal of status as Export/Trading House. These exports will not, however, be counted for entitlement for issue of a new Pass-Book”. 	
6. 72—73 (72)	Chapter XV Para 229(3)	<p>The following new sub-para shall be added after sub-para 229(3):—</p> <p>“(4) Applications for the issue of Pass Books from eligible exporters who have been issued licences under the Duty Exemption Scheme or Imprest Licensing Scheme against a product falling under a particular Sl.No. or sub-Sl.No. of Appendix-25 of the Policy, may be considered as under:—</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) If the exporter has completed 75% or more of the total export obligation to be fulfilled against such licences, Pass Book may be issued as per the normal entitlement. For this purpose, documents as are required by the licensing authorities shall be furnished by the applicant. (ii) If the exporter has completed less than 75% of the total export obligation against the licences already issued for the same product, requests for the issue of the Pass Book may also be considered. However, in such 	

1	2	3	4
			cases the entitlement will be calculated by deducting the proportionate c.i.f. value of the unfulfilled part of the Export Obligation against such licence(s) from the normal entitlement for the Pass Book. Subsequently, as and when the export obligation against the earlier licence(s) is fulfilled and bonds discharged, requests for restoration of the reduced entitlement on this account may be considered by the Licensing authority concerned."
7. 72—73 (72)	Chapter XV Para 230(2)		<p>The following new sub-para shall be added at the end of this para:—</p> <p>"(2-A) Wherever the eligible exporter finds the value norms as specified in Column 3 of Appendix 25 of the Policy not appropriate for his export product, he will have the following options:—</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) to get the Pass Book issued in terms of the norms prescribed in Annexure V to Appendix 19 in case all the items required by him are covered by these norms, or (ii) to get the pass book in terms of the norms already fixed in his case for the same export product by the Advance Licensing Committee at the Headquarters; or (iii) to get the norms fixed for his export product from the Advance Licensing Committee at the Headquarters specifically. <p>In all such cases, the Pass Book will be issued in terms of quantity and value and these will be limiting factors both for the purposes of imports and exports. In cases where a Pass Book is issued on the basis of specified norms as per option outlined at (iii) above, subsequent requests for the issue of Pass Book(s), for the same product received from the same applicant can be considered by the licensing authorities on the basis of these norms without reference to the Advance Licensing Committee at the Headquarters.</p> <p>(2--B) The eligible manufacturer exporter will be permitted to use his import entitlement for obtaining a Pass Book for a related product. The related product will be defined as the product which could be manufactured the existing infrastructure and production facilities. However, separate Pass Book will be issued for each export product."</p>
8. 72—73 (73)	Chapter—XV Para 230(3)		<p>The first two sentences of this sub-para shall be substituted by the following:—</p> <p>"Import of raw materials, components and consumables required for the manufacture of the and product and packing materials and mandatory spares will as per para 228(1) above, be allowed for import under this Scheme. The import of consumables will be permitted upto a maximum of 10% of the overall value of the licence only to eligible manufacturer exporters. The import of mandatory spares will be allowed only to registered manufacturer exporters, and upto a maximum of 5% of the overall value of the licence."</p>

1	2	3	4
9. 72—73 (73)	Chapter—XV Para 231(2)	The first sentence shall be substituted by the following:— “The Pass Book holder will have to give an undertaking along-with the application that the goods imported under the scheme will be utilised either in his own factory(ies), or in the factory(ies) of the declared supporting manufacturer for the manufacture of the export product for which the Pass Book is issued”.	
10. 72—73 (73)	Chapter—XV Para 232 Port of Registration	The first sentence of this para shall be substituted by the following:— “The Pass Book licence under this scheme will be issued with a single port of registration and will be valid for import and export of the items covered by it through this port. If any imports are to be effected from a port other than the port of registration, the licence holder will have to approach the customs authorities, who may grant such permission subject to such conditions as they deem fit.”	
11. 72—73 (74)	Chapter—XV Para 233(3)	This Sub-para shall be substituted by the following:— “In case the items sought for import (both canalised and non-canalised) are available with either the canalising agency or the STC, MMTC or any other designated agency for supply against duty free licences, it will be open to the Pass Book licence holder to import these items either directly or obtain supplies from the bonded stocks of these agencies in accordance with the procedure laid down in para 18 of Appendix-19 of this policy.”	
12. 72—73 (74)	Chapter—XV Para 234(2)	The following new sub-para shall be added after this sub-para:— “(3) Exports/supplies made from the date of receipt of application under this scheme by the licensing authority concerned will be accepted towards discharge of export obligation. However, the applicant exporter will be taking advantage of this provision only at his own risk and subsequently, if his application for a Pass Book licence is rejected, he will neither be entitled to import the items nor claim duty exemption benefits under this Scheme.”	
13. 72—73 (75)	Chapter—XV Para 240	(i) The following sentence shall be added at the end of sub-para(1):— “Similarly, legal agreement in lieu of bond with Bank guarantee may be accepted by the Licensing Authority concerned from the Trading Houses even for these items.” (ii) The existing sub-para (2) shall be re-numbered as sub-para(3):— (iii) The following shall be added as sub-para (2):— “(2) A joint Bond with Bank Guarantee or a legal agreement as the case may be, will be required to be executed in the following cases:— (a) Where the manufacturer-exporter is exporting through Export/Trading Houses;	

1	2	3	4
			(b) Where the Pass Book has been taken by the Export Trading House and the exempt material is being used for manufacture by the supporting manufacturer. However, in the case of exports of goods specified in Para 6 of Appendix 13 of this policy, such a joint Bond/legal agreement will not be insisted upon."
14. 72-73 (75)	Chapter—XV Para 241	The existing para shall be substituted by the following:— "On a licence issued under this scheme, the facility of issuing Letter of Authority, will be available to Export Trading Houses. This will be restricted to the supporting manufacturer(s) whose name(s) appear(s) in the Pass Book issued, notwithstanding the provisions in paras 118 and 119 of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1985-88. No letter of credit shall be allowed to be opened against a licence issued under this scheme by a person other than the licensee or the supporting manufacturer(s) whose name(s) appear in the Pass Book."	
15. 72—73 (75)	Chapter—XV Para 241—A	(i) The existing para 241—A under the heading "follow up/penal action" shall be renumbered as 241—B. (ii) The following new para shall be added after the existing para 241—A— "Utilisation of exempt materials 241—A(1) Exempt materials imported against a licence under this scheme shall be utilised for the manufacture of the resultant product specified in the Pass Book, except where it is by way of replenishment. Such materials shall not be loaned, sold, transferred or disposed of otherwise under any circumstances. In cases where the export obligation has been partially or fully met to meet the delivery schedule before making any import against the licence, the manufacturer-exporter may utilise the replenished materials for further exports/ domestic production and subject to actual users conditions. Similarly, the Licensing Authority may consider the request of the Merchant Export Houses/Trading Houses for transfer of the replenished materials at landed cost to the supporting manufacturer concerned whose name appears in the Pass Book for further export/ domestic production and subject to actual users condition. (2) Replenishment shall be permitted only to the extent of materials used in the manufacture of end products exported prior to the date of first importation under the Import-Export Pass Book."	
16. 72—73 (75)	Chapter—XV Para 241—B	The figure '30' appearing in the re-numbered para shall be deleted.	
17. 72—73 (72—74)	Chapter—XV Paras 229 (3) 231(1), (3) & (4) & 236	The words "manufacturer-exporter" or "registered manufacturer—exporter" appearing in these paragraphs, shall be substituted by the words "eligible exporter."	

1	2	3	4		
18. 359 (381)	Appendix 25 A. Engineering Goods Sl. No. 4(a). & 4(b).	The figure in Column 4 against these Sl. Nos. shall be substituted by the figure "80" "			
19. 359 (381)	Appendix 25 A. Engineering Goods Sl. No. 4(h).	At the end of this Sl. Nos. a new entry with following description in the relevant Columns shall be inserted:—			
		(1)	(2)	(3)	(4)
		4. (i) Nylon insert (Nyloc)-self locking nuts, steel lock nuts and wheel nuts.		A.7 (ii)	30%
20. 359 (389)	Appendix 25 D. Leather and Leather Goods and other animal products. Sl. No. 2(i)(a).	The figures in Column 4 against this Sl. No. shall be substituted by the figure "30".			
21. 359(389)	Appendix 25 D. Sports Goods Sl. No. 1.	A new entry with following description in the relevant columns shall be added after this entry:—			
		(1)	(2)	(3)	(4)
		2. Tennis Balls		E. 1.	40%"
22. 359 (391)	Appendix 25 K. Textiles II. Woollen Textiles Sl. No. 4.	The existing entry shall be substituted by the following:—			
		(1)	(2)	(3)	(4)
		4.(i) Shoddy/Woollen blankets, blanketing cloth containing more than 50% wool by weight.		K. 4.	40% (Synthetic hard waste upto 6% of the FOB Value)
		(ii) Scarves/Stoles made of blanketing cloth, tweeds, blazer and valours, containing more than 50% wool by weight.		K. 4.	30%"
23. 359 (392)	Appendix—25 K. Textiles V. Non-Cellulosic Textiles Sl. No. 11(ii)	The figure in Col. 4 against this Sl. No. shall be substituted by the following:— "25% (Zips upto 6% of the FOB value)".			
24. 359 (393)	Appendix 25 O. Readymade Garments, Hosiery & Knitwear Sl. Nos. 2, 3 & 5.	The figure in Col. 4 against this Sl. No. shall be substituted by the following:— "55% (Zips upto 6% of the FOB value)".			

1	2	3	4								
25. 359 (393)	Appendix 25 O. Readymade Garments, Hosiery & Knitwear Sl. No. 4(i)	The figure in Col. 4 against this Sl. No. shall be substituted by the following:— “50% (Zips upto 6% of FOB value).”									
26. 359 (393)	Appendix 25 O. Readymade Garments, Hosiery & Knitwear Sl. No. 4(ii)	The figure in Col. 4 against this Sl. No. shall be substituted by the following:— “40% (Zips upto 6% of the FOB value)”.									
27. 359 (393)	Appendix 25 O. Readymade Garments, Hosiery & Knitwear Sl. No. 4(ii)	The figure in Col. 4 against this Sl. No. shall be substituted by the following:— “40% (Zips upto 6% of the FOB value)”.									
28. 359 (393)	Appendix 25 O. Readymade Garments, Hosiery & Knitwear Sl. No. 6	The figure in Col. 4 against this Sl. No. shall be substituted by the following:— “40% (Zips upto 6% of the FOB value)”.									
29. 359 (393)	Appendix 25 O. Readymade Garments, Hosiery & Knitwear Sl. No. 7(i), 7(ii), 7(iii)	The figure in Col. 4 against these Sl. Nos. shall be substituted by the following:— “65% (Zips upto 6% of the FOB value)”.									
30. 359 (393)	Appendix 25 O. Readymade garments, Hosiery & Knitwear Sl. No. 8	A new entry with the following description in the relevant columns shall be added after this Sl. No:—									
<table><tr><td>(1)</td><td>(2)</td><td>(3)</td><td>(4)</td></tr><tr><td colspan="2">“9. Ready made Industrial and Institutional garments.</td><td>0.9</td><td>6C</td></tr></table>				(1)	(2)	(3)	(4)	“9. Ready made Industrial and Institutional garments.		0.9	6C
(1)	(2)	(3)	(4)								
“9. Ready made Industrial and Institutional garments.		0.9	6C								
31. 272 (290)	Appendix 17 K. Textiles V. Non-Cellulosic Textiles Sl. No. K. 11 Fabrics and made up articles, including embroidered and yarn:—	(i) The description of entry(i) under this Sl. No. shall be substituted by the following:— “made of acetate staple fibre/spun yarn.” (ii) The description of entry (ii) under this Sl. No. shall be substituted by the following:— “made of other non-collulosic staple fibre/spun yarn.”									
32. 277(298)	Appendix 17 O. Readymade Garments, Hosiery and Knitwear Sl. No. 0.8.	A new entry with the following description in the relevant Columns shall be added after this Sl. No.:—									
<table><tr><td>(1)</td><td>(2)</td><td>(3)</td><td>(4)</td></tr><tr><td colspan="2">“0.9 Readymade Industrial and Institutional Garment</td><td>60%</td><td>(a) Items (a) to (c) as allowed against Sl. No. 0.1.</td></tr></table>				(1)	(2)	(3)	(4)	“0.9 Readymade Industrial and Institutional Garment		60%	(a) Items (a) to (c) as allowed against Sl. No. 0.1.
(1)	(2)	(3)	(4)								
“0.9 Readymade Industrial and Institutional Garment		60%	(a) Items (a) to (c) as allowed against Sl. No. 0.1.								

1	2	3	4
33. 359 (393)	Appendix 25 O. Readymade Garments, Hosiery & Knitwear Sl. No. 8.	A new entry with the following description in the relevant Columns shall be added after this Sl. No.:—	
		(1)	(2)
		(3)	(4)
		“Q. STAINLESS STEEL PRODUCTS	
		1. Stainless steel products containing stainless steel content of not less than 80% by weight.	
		Q.1	50%
		2. Stainless Steel castings, all types.	
		Q.2	20%
34. 359 (394)	Annexure I to Appendix-25. Sl. No. 9.	The description of the entry shall be substituted by the following:—	
		“9. Stainless Steel Sheets”.	
35. 359 (395—396)	Annexure-II to Appendix-25	The Customs Notification as reproduced in this Annexure shall be substituted by the Customs Notification as reproduced in Annexure to this Public Notice.	

3. The above amendments have been made in Public interest.

4. The number in bracket in Column (2) indicate the page number in the Import-Export Policy Book as corrected upto 31st Oct. 1986.

Sd/-

(R.L. MISRA)

Chief Controller of Imports & Exports
MANJULA SUBRAMANIAM, Jt. Chief Controller of
Imports & Exports.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1987

अधिसूचना

140/87—सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 331(अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं 2/1986—सीमाशुल्क तारीख 1 जनवरी, 1986 को अधिष्ठांत करते हुए अपनी यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, ऐसे माल को, जब उनका उत्पादों के (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् अंतिम उत्पाद कहा गया है) विनिर्माण और अंतिम उत्पाद के विनिर्माण में प्रयुक्त माल की पुनः पूर्ति के प्रयोजन के लिए या स्पेर के लिए और आयात-निर्यात पास बुक स्कीम के अनुसार एक या अधिक निर्यात आदेशों के निष्पादन के लिए,

अंतिम उत्पादों के साथ-साथ आयातक अतिरिक्त उत्पाद के रूप में भारत के बाहर निर्यात के लिए भारत में मीघे आयात किया जाए/ या निर्मोचन आदेश के आधार पर प्राप्त किया जाए, उस पर उद्ग्रहणीय समस्त सीमाशुल्क से, जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट है, और उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस उद्ग्रहणीय समस्त अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क से निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात्:—

(क) आयातकर्ता, को उक्त स्कीम या उक्त आयात-निर्यात पास बुक और निर्मोचन आदेश, दोनों के अधीन, यथास्थिति, आयात या पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित माल के निर्मोचन के लिए, आवश्यक आयात-निर्यात पास बुक (जिसमें आयात अनुज्ञप्ति सम्मिलित है) दे दिया गया है ;

(ख) उक्त आयातित माल, जहां तक उसके मूल्य और वर्णन (तकनीकी विशेषताओं सहित, यदि कोई है) का संबंध है, उक्त आयात-निर्यात पास बुक में सम्मिलित आयात

अनुज्ञप्ति या अनुज्ञप्ति के संलग्नकों में विनिर्दिष्ट है या उनके अंतर्गत आता है या उक्त आयातित माल निर्यातन आदेश में विनिर्दिष्ट है या उसके अंतर्गत आता है;

(ग) आयातकर्ता उक्त आयातित माल की निकासी के समय सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर के समक्ष उक्त आयात-निर्यात पास बुक और, यदि आवश्यक है, तो, निर्मोचन आदेश भी, प्रस्तुत करता है, और आयातकर्ता—

- (1) सीमा-शुल्क कलक्टर के समय ऐसी छूट के लिए लिखित रूप में दावा करना है; और
- (2) सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर के समक्ष यह साक्ष्य प्रस्तुत करना है कि उक्त स्कीम के अधीन अपेक्षित यथास्थिति बैंक प्रत्याभूति के साथ वध-पत्र या विधिक करार उसने निष्पादित कर दिया है; और
- (3) ऐसे प्ररूप में और उतनी रकम के लिए जो सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, स्वयं को आवद्ध करने हुए यह घोषणा करता है कि वह उक्त ऐसे आयातित माल की वाबत, जिसके संबंध में सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर का यह समाधान नहीं हो जाता कि उसका प्रयोग उपर्युक्त प्रयोजन के लिए किया गया है, उतने शुल्क के समतुल्य रकम का, मांग किए जाने पर, संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट के न होने की दशा में आयातित माल पर उद्ग्रहीत किया जाता ;

(घ) उक्त आयातित माल, सीमा-शुल्क से निकासी के पश्चात् आयात किए जाने के लिए अंतिम उत्पादों के विनिर्माण के कारखाने को सीधे ले जाया जाता है और आयातकर्ता द्वारा विनिर्माता के रूप में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन रखे जाने के लिए अपेक्षित अभिलेखों में सम्यक् रूप से और तुरन्त दर्ज किया जाता है सिवाय तब जब आयातकर्ता को ऐसे अभिलेख रखने से छूट दी गई हो ;

“परन्तु यह कि जहां आयातकर्ता विनिर्माता न होकर निर्यात/व्यापार मंडल (हाउस) है, वहां आयात के पश्चात् माल ऐसे समर्थक विनिर्माता को अन्तरित किए जाते हैं जिसका नाम अंतिम उत्पादों के विनिर्माण के लिए सुसंगत आयात निर्यात पास बुक में दर्ज है और ऐसे आयातकर्ता द्वारा ऐसे आयातित और समर्थक विनिर्माता को अंतर्गत माल के लिए पूरा लेखा रखा जाता है।

(ङ.) उक्त आयात-निर्यात पास बुक में विनिर्दिष्ट अंतिम उत्पाद और आज्ञापक अतिरिक्त के रूप में उक्त आयात निर्यात पास बुक विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जो आयात और निर्यात मुख्य नियंत्रक के कार्यालय के निर्यात आयुक्त द्वारा अनुज्ञात की जाए, भारत के बाहर निर्यात किए जाते हैं;

(च) उक्त आयातित माल का प्रयोग इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए किया जाएगा ;

(छ) उक्त आयातित माल या उसके किसी भाग का विक्रय नहीं किया जाएगा या उसे उधार नहीं दिया जाएगा या किसी अन्य व्यक्ति को अन्यथा अंतरित नहीं किया जाएगा या आयात और निर्यात मुख्य नियंत्रक की लिखित पूर्व अनुज्ञा के बिना किसी अन्य प्रयोजन के लिए उपयोग में नहीं लाया जाएगा या उपयोग में लाने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी या निष्पादित नहीं किया जाएगा ;

(ज) उक्त माल का आयात केवल कोडला या कलकत्ता या मुम्बई या कोचीन या मद्रास या विशाखापत्तनम के सीमाशुल्क पत्तन से होकर या केवल कलकत्ता या मुम्बई या दिल्ली या मद्रास या मंगलूर के सीमा-शुल्क विमान पत्तन से होकर या केवल नई दिल्ली के प्रगति मैदान, स्थित या बंगलूर स्थित बंगलूर छावनी रेल स्टेशन स्थित अंतर्देशीय कंटेनर डिपो से होकर किया जाएगा तथा अंतिम उत्पादों का भारत के बाहर निर्यात केवल उक्त सीमा-शुल्क पत्तनों, सीमा-शुल्क विमान पत्तनों या अंतर्देशीय कंटेनर डिपो से होकर किया जाएगा।

(झ) पुनः पूर्ति के लिए माल को उस दशा में अनुज्ञात किया जाएगा जहां उक्त आयात-निर्यात पासबुक का धारक उक्त पासबुक के अधीन आयात करने के लिए योग्य होने के पूर्व परिधान समय सूची के अनुसार अंतिम उत्पाद का निर्यात इस शर्त के अधीन रहते हुए करता है कि ऐसी पुनः पूर्ति उतनी ही अनुज्ञात है जितनी आयात निर्यात पास बुक के अधीन प्रथम आयात की तारीख से पहले निर्यात किए गए अंतिम उत्पाद के विनिर्माण में सामग्रियों का प्रयोग किया गया हो ,

परन्तु यह कि जहां ऐसे माल का आयात निर्यात किए गए परिणामी उत्पादों के विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्रियों की पुनःपूर्ति के लिए किया जाता है, वहां उक्त पास बुक का धारक ऐसा निर्यातकर्ता है, जो विनिर्माता भी है, वास्तविक प्रयोगी शर्तों के अधीन रहते हुए, किसी माल के उत्पादन के लिए पुनः पूर्ति सामग्रियों का उपयोग कर सकता है।

परन्तु यह और कि अनुज्ञप्ति प्राधिकारी उक्त पासबुक धारक के, जो निर्यातकर्ता है किन्तु विनिर्माता नहीं है, इस अनुरोध पर विचार कर सकता है कि पुनःपूर्ति सामग्रियां उत्तराई लागत पर ऐसे संबंधित समर्थक विनिर्माता को, जिसका नाम उक्त आयात-निर्यात पास बुक में दर्ज है, वास्तविक प्रयोग शर्तों के अधीन रहते हुए किसी माल के उत्पादन के लिए अन्तरित की जाएं ;

परन्तु यह भी कि पुनःपूर्ति के रूप में आयात किए गए माल का किसी अन्य रीति से न तो विक्रय किया जाएगा और न तो व्ययन किया जाएगा और उक्त आयात-निर्यात पासबुक का धारक ऐसे माल के आयातों और उनके वास्तविक उपयोग किए जाने का लेखा रखेगा और मांग किए जाने पर संबंधित अनुज्ञप्ति प्राधिकारी को उसे प्रस्तुत करेगा।

(ज) आज्ञापक अतिरिक्त उत्पाद का आयात, आयात-निर्यात पासबुक में सम्मिलित किए गए आयात अनुज्ञप्ति के सी.आई.एफ. मूल्य के पांच प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

स्पष्टीकरण—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए,—

- (1) “सारणी यन अभिकरण” का वहीं अर्थ है जो आयात और निर्यात नीति अप्रैल, 1985—मार्च, 1988 में है ;
- (2) “माल” से ऐसा माल अभिप्रेत है जो अंतिम उत्पादों और उनके पकियों के विनिर्माण के लिए अपेक्षित कच्ची सामग्री, संघटकों मध्यवर्ती उत्पादों या उपभोग योग्य प्रकृति के हों या अंतिम उत्पादों के साथ निर्यात किए जाने वाले आज्ञापक अतिरिक्त उत्पाद हों ;
- (3) “आयात-निर्यात पास बुक स्कीम” से आयात निर्यात नीति अप्रैल, 1985—मार्च, 1988 के अध्याय 14 में अंतर्विष्ट आयात-निर्यात पास बुक स्कीम अभिप्रेत है ;
- (4) “आयातकर्ता” के अंतर्गम निर्मोचन आदेश का धारक भी है ;
- (5) “अनुज्ञापन प्राधिकारी” से आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के अधीन बनाए गए आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के अधीन अनुज्ञप्ति मंजूर करने के लिए सक्षम प्राधिकारी अभिप्रेत है ;
- (6) “आज्ञापक अतिरिक्त उत्पाद” से अंतिम उत्पादों का ऐसा भाग अभिप्रेत है जो अंतिम उत्पादों के अधिमार्ग हो जाने या पुराने हो गए भागों के प्रतिस्थापना के प्रयोजन के लिए नुसंगत निर्यात आदेश के अधीन अंतिम उत्पादों के लिए अतिरिक्त उत्पाद के रूप में आवश्यक रूप से प्रदाय किए जाते हैं ;
- (7) “नर्मोचन आदेश के आधार पर अभिप्राप्त” से ऐसा माल अभिप्रेत है जो किसी सारणीयन अभिकरण के निर्मोचन आदेश के अधीन या उसके अनुसार अथवा किसी पब्लिक सेक्टर व्यापार और सेवा अभिकरण से प्राप्त किया गया है और जो ऐसा माल हो जिसका अबत अभिकरणों द्वारा आयात किया गया हो और सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अध्याय 9 के अनुसार भंडार किया गया हो ;
- (8) “पब्लिक सेक्टर व्यापार या सेवा अभिकरण” का वहीं अर्थ होगा जो वाणिज्य मंत्रालय सार्वजनिक सूचना सं. 1—आई.टी.सी. (पी.एन.)/85-88 तारीख 12 अप्रैल, 1985 के अधीन

प्रकाशित आयात-निर्यात नीति अप्रैल, 1985—मार्च, 1988 में उनका है ;

- (9) “निर्मोचन आदेश” से ऐसा निर्मोचन आदेश अभिप्रेत है जो आयात-निर्यात पास बुक स्कीम के अधीन अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा संबधित सारणीयन अभिकरण या पब्लिक सेक्टर व्यापार और सेवा अभिकरण का पहले से आयात किए गए माल और सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अध्याय 9 के अधीन भंडार किए गए माल के निर्मोचन के लिए जारी किया गया हो।

एस.के. राय, उपसचिव,

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 27th March, 1987

NOTIFICATION

No. 140/87 —Customs

G.S.R. 331 (E): In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 2/1986-Customs, dated the 1st January, 1986, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods when imported into India either directly or obtained against a Release Order for the purpose of manufacture of products (hereinafter referred to as the end products) or replenishment of goods used in the manufacture of end products, or both, and for export out of India as mandatory spares along with the end products, for execution of one or more export orders in accordance with the Import-Export Pass Book Scheme, from the whole of the duty of customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely:—

(a) that the importer has been issued necessary Import-Export Pass Book (incorporating Import Licence) under the said Scheme or both the said Import-Export Pass Book and Release order, for the import or as the case may be, release of the goods required for the aforesaid purpose;

(b) that the said imported goods are specified in and are covered by the Import Licence or the enclosures to the Licence, incorporated in the said Import-Export Pass Book or, as the case may be, the said imported goods are specified in and covered by the Release Order, in respect of their value and description (including technical characteristics if any);

(c) that the importer at the time of the clearance of the said imported goods produces before the Assistant Collector of Customs, the said Import-Export Pass Book and, if necessary also the Release Order, and the importer—

- (i) makes a claim, in writing, to the Collector of Customs for such exemption; and
- (ii) produces evidence to the Assistant Collector of Customs that the Bond with Bank Guarantee or, as the case may be, legal agreement has been executed by him as required under the said Schemes, and
- (iii) makes a declaration in such form and for such sum as may be specified by the Assistant Collector of Customs, binding himself to pay on demand in respect of such of the said imported goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been used for the aforesaid purpose, an amount equal to the duty which would have been levied on such imported goods but for the exemption contained herein;

(d) that the said imported goods, after clearance by Customs, are taken direct to the factory of manufacture of the end products to be exported and are duly and immediately entered into the records required to be maintained by the importer as the manufacturer under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the rules made thereunder, unless he is exempted thereunder from the maintenance of such records.

Provided that where the importer is an Export or Trading house not being a manufacturer, the goods after import are transferred to supporting manufacturer whose name appears in the relevant Import-Export Pass Book for manufacture of end products and that complete account is maintained by such importer for the goods imported and transferred to supporting manufacturer;

(e) that the end products and mandatory spares, as specified in the said Import-Export Pass Book, are exported out of India within the period specified in the said Import-Export Pass Book or within such extended period as the Export Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports allow;

(f) that the said imported goods shall be used for the purposes specified in this notification;

(g) that the said imported goods or any portion thereof shall not be sold or loaned or otherwise transferred to any other person or utilised or permitted to be utilised or disposed of for any other purpose;

1828 GI/86—4

(h) that the said goods shall be imported only through the Customs port at Kandla or Calcutta or Bombay or Cochin or Madras or Vishakhapatnam or only through the Customs airport at Calcutta or Bombay or Delhi or Madras or Bangalore or only through the inland container depot at Pragati Maidan at New Delhi or Bangalore Cantonment Railway Station at Bangalore and the end products shall be exported out of India only through any of the said Customs ports, Customs airports or inland container depots;

(i) that the import of goods for replenishment shall be allowed where the Said Import-Export Pass Book holder has to export the end products to meet a delivery schedule before he is able to import under the said Import-Export Pass Book, subject to the condition that such replenishment shall be permitted only to the extent of materials used in the manufacture of end products exported prior to the date of first importation under the Import-Export Pass Book.

Provided that where such goods are imported for replenishment of materials used in the manufacture of end products exported, the holder of Import-Export Pass Book being an exporter who is also a manufacturer may utilise the replenished materials for production of any goods subject to actual user conditions.

Provided further that the licensing authority may consider the request of the holder of Import-Export Pass Book being an exporter who is not a manufacturer, for transfer of the replenished materials at landed cost, to the supporting manufacturer concerned, whose name appears in the said Import-Export Pass Book, for production of any goods subject to actual user conditions.

Provided also that goods imported as replenishment shall not be sold or disposed of in any other manner and the said Import Export Pass Book holder shall maintain an account of imports of such goods and their actual utilization and furnish the same to the concerned licensing authority on demand.

(j) the import of mandatory spares shall not exceed five per cent of the C.I.F. value of the Import Licence incorporated in the Import-Export Pass Book.

Explanation:— For the purposes of this notification,—

(i) “canalising agency” shall have the same meaning as in the Import & Export Policy April 1985-March 1988;

(ii) “goods” means goods which are in the nature of raw materials, components, intermediate products or consumables required for the manufacture of end products and their packings, or mandatory spares to be exported along with the end products;

(iii) "Import-Export Pass Book Scheme" means the Import-Export Pass Book Scheme contained in Chapter XV of the Import and Export Policy, April, 1985 to March, 1988;

(iv) "importer" includes holder of a Release Order;

(v) "Licensing Authority" means an authority competent to grant an Import Licence under the Imports (Control) Order, 1955, made under the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947);

(vi) "mandatory spares" means parts of the end products which are to be compulsorily supplied as spares to the end products under the relevant export order for the purpose of substitution of invalid or worn out parts of the end products;

(vii) "obtained against Release Order" means goods obtained under and in accordance with a Release Order from a canalising agency or from a public

sector trading and service agency, being the goods which are imported by the said agencies and warehoused in accordance with Chapter IX of the Customs Act, 1962 (52 of 1962);

(viii) "public sector trading or service agency" shall have the same meaning as in the Import & Export Policy April, 1985, March, 1988, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC (PN)/85—88, dated the 12th April, 1985;

(ix) "Release Order" means a Release Order issued by the Licensing Authority under the Import-Export Pass Book Scheme on the concerned canalising agency or public sector trading and service agency, for the release of goods already imported and warehoused under Chapter IX of the Customs, Act, 1962 (52 of 1962).

[F. No. 605/89/86/DBK]

S. K. ROY, Dy. Secy.